ट्रैक्टरों का आयात

3545. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष ट्रैक्टरों की सप्लाई में मांग की तुलना में कितनी कमी रही है ;

(ख) अब तक कितने ट्रैक्टरों का आयात किया गया है ;

(ग) आयात किये जाने वाले ट्रैक्टरों की संख्या कितनी है ; और

(घ) उपहार के रूप में विदेशों से कितने ट्रैक्टर प्राप्त हुए हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिंदे) : (क) से (ग) 1968-69 में, 60,000 ट्रैक्टरों की मांग के मुकाबले 15,500 ट्रैक्टरों के लिए आयात का प्रबन्ध किया गया था। इसके अतिरिक्त, 15,466 ट्रैक्टर देश में निर्मित किये गए थे। विदेशी मुद्रा के अभाव के कारण, अधिक आयातों के लिए प्रबन्ध करना सम्भव नहीं था। गत वर्षों की पिछली मांग को दृष्टि में रखते हुए, चालू वित्तीय वर्ष 1969-70 में लगभग 83,000 ट्रैक्टरों की मांग का अनुमान है। इसके मुकाबले देश में 20,000 ट्रैक्टरों का निर्माण होने का अनुमान है। 1969-70 में ट्रैक्टरों के आयात के लिए एक काफी बड़े कार्यक्रम पर सरकार विचार कर रही है।

(घ) उपहार के रूप में 502 ट्रैक्टरों के आयात के लिए सीमा शुल्क रहित अनुमतिपत्र जारी कर दिये गए हैं। चूंकि ये ट्रैक्टर व्यक्ति विशेष द्वारा सीधे प्राप्त किये जाते हैं, अतः अपेक्षित जानकारी उपलब्ध नहीं है।

Fall in Agriculture Productivity in Gujarat and Rajasthan

3546. SHRI LOBO PRABHU : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that agriculture productivity (annual increase) varies from 4.09 per cent in Gujarat to 11 per cent in Rajasthan ;

(b) if so, the reasons therefor ;

(c) whether it is also a fact that productivity of pulses has decreased due to attraction of the higher prices of crops subject to controls ; and

(d) if not, which are other reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT & COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) According to a study of the growth rates in Indian Agriculture, the compound growth rate of agricultural productivity for the period 1952-53 to 1964-65 varied from (-)0.11% in Rajasthan to 4.09% in Gujarat.

(b) Agricultural development in all the States is not uniform as the nature of soil, climate, extent of irrigation and other factors relevant to such development vary between States. The potentiality for development of agriculture being different from area to area, even with the same effort the impact tends to be different.

(c) and (d). Unlike other foodgrains, productivity of pulses has not increased because of their greater dependence on weather and absence of high-yielding varieties, and not because of the price factor, since index numbers of prices since 1963 have shown a greater rise for pulses than for cereals.

Special Agency for Study of Problem of Farmers

3547. SHRI LOBO PRABHU : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether any special agency is being set up to identify the problems of the small farmers ; and

(b) if so, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT & COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) Yes Sir. Small Farmers, Development Agencies are to be set up in 20/21 Pilot districts to identify the problems of the small farmer.